

---

# Shri Hari Mangala Ashtakam

---

## श्रीशाण्डिल्यकृतं श्रीहरिमङ्गलाष्टकम्

---

### Document Information

Text title : Shri Hari Mangala Ashtakam

File name : shANDilyakRRitaMshrIharimangalAShTakam.itx

Category : vishhnu, aShTaka, mangala

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : Manish Gavkar

Latest update : September 24, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 24, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीशाण्डिल्यकृतं श्रीहरिमङ्गलाष्टकम्




श्रीशाण्डिल्य उवाच ।  
अथ स्तोत्रवरं दिव्यं मङ्गालानां च मङ्गलम् ।  
श्रीनन्दनन्दनहरेः कालिन्द्या समुदीरितम् ॥ १ ॥  
जय जयाजय मङ्गलश्रुतिगणेन्दुमुखीव्रजसंस्तुत ।  
जय जयात्मपदाम्बुजसंश्रितनतसुरेन्द्रमतानुमहेन्द्रिर ॥ २ ॥  
जय जयाजय मङ्गलमङ्गलविकचनीलकुशेशयसुन्दर ।  
विधृतकाञ्चनकान्तनवाम्बर विविधभूषणभूषितभूषण ॥ ३ ॥  
जय जयाजय मङ्गलमङ्गल विकचनीलकुशेशयसुन्दर ।  
तव यदाब्जजोऽभसिता जनाः जगति मङ्गल जयन्ति शुचिप्रभाः ॥ ४ ॥  
जय जयाजय मङ्गलमङ्गल मुनिवरैः परिणूत्तमहोदय ।  
सकलविश्वकुलानि कुलाणुभिस्तव कृतानि वदन्ति मनीषिणः ॥ ५ ॥  
जय जयाजय मङ्गलमङ्गल जयति मङ्गलमङ्गलमिदं तव ।  
तदनु मङ्गलमेव विभूषणं वर सुमाल्यमुखं विधृतं विभो ॥ ६ ॥  
जय जयाजय मङ्गलमङ्गल व्रजजनीव्रजमङ्गल निजव्रजम् ।  
मुरलिका मुकुटं लकुटं स्रजः सकलमेव विभो तव मङ्गलम् ॥ ७ ॥  
जय जयाजय मङ्गलमङ्गल जगति ते भवनं विपिनं गिरिः ।  
सरिदलं वचनं चरितं श्रुतं निखिलमङ्गलमस्ति न चापरम् ॥ ८ ॥  
जय जयाजय मङ्गलमङ्गल कुरु विभो भवमङ्गलमङ्गलम् ।  
तव मुखाम्बुजदर्शनतः परं भवति आर्यं सुमङ्गलमङ्गलम् ॥ ९ ॥  
इति श्रीमङ्गलस्तोत्रं हरेरद्भुतकर्मणः ।  
पठेदुषसि यस्तस्य मङ्गलं ह्याष्टयामिकम् ॥ १० ॥  
इति श्रीशाण्डिल्यसंहितायां पञ्चमे भक्तिखण्डे षोडशोऽध्याये


श्रीहरिमङ्गलाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Manish Gavkar

---

——  
*Shri Hari Mangala Ashtakam*

pdf was typeset on September 24, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

